II Class Hindi First Language

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY 24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

मुसकान-2

हिंदी पाठ्यपुस्तक

दूसरी कक्षा

Hindi Reader
Class II

FREE

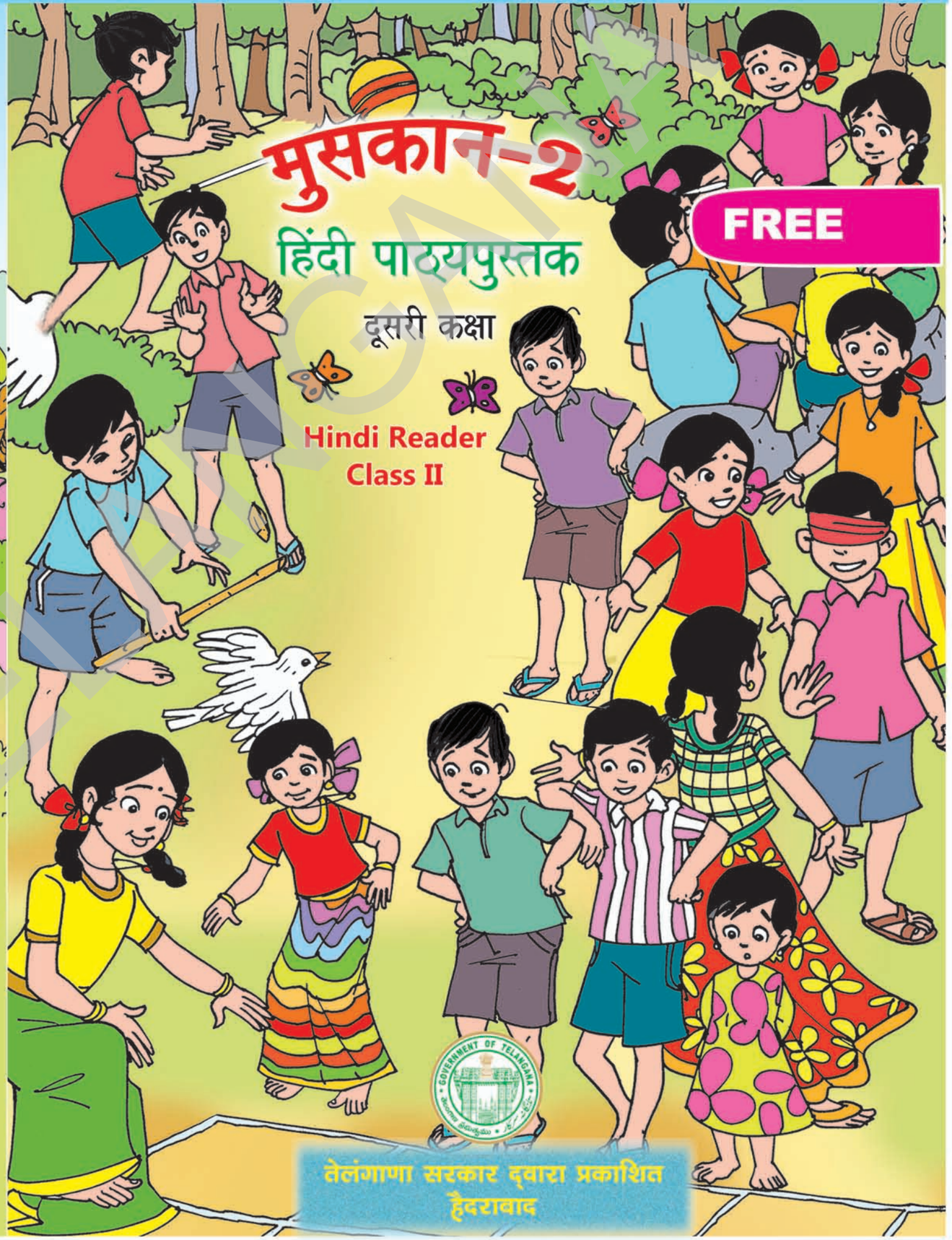

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT

नीचे दिये चित्र देखिए। कहानी बोलिए।

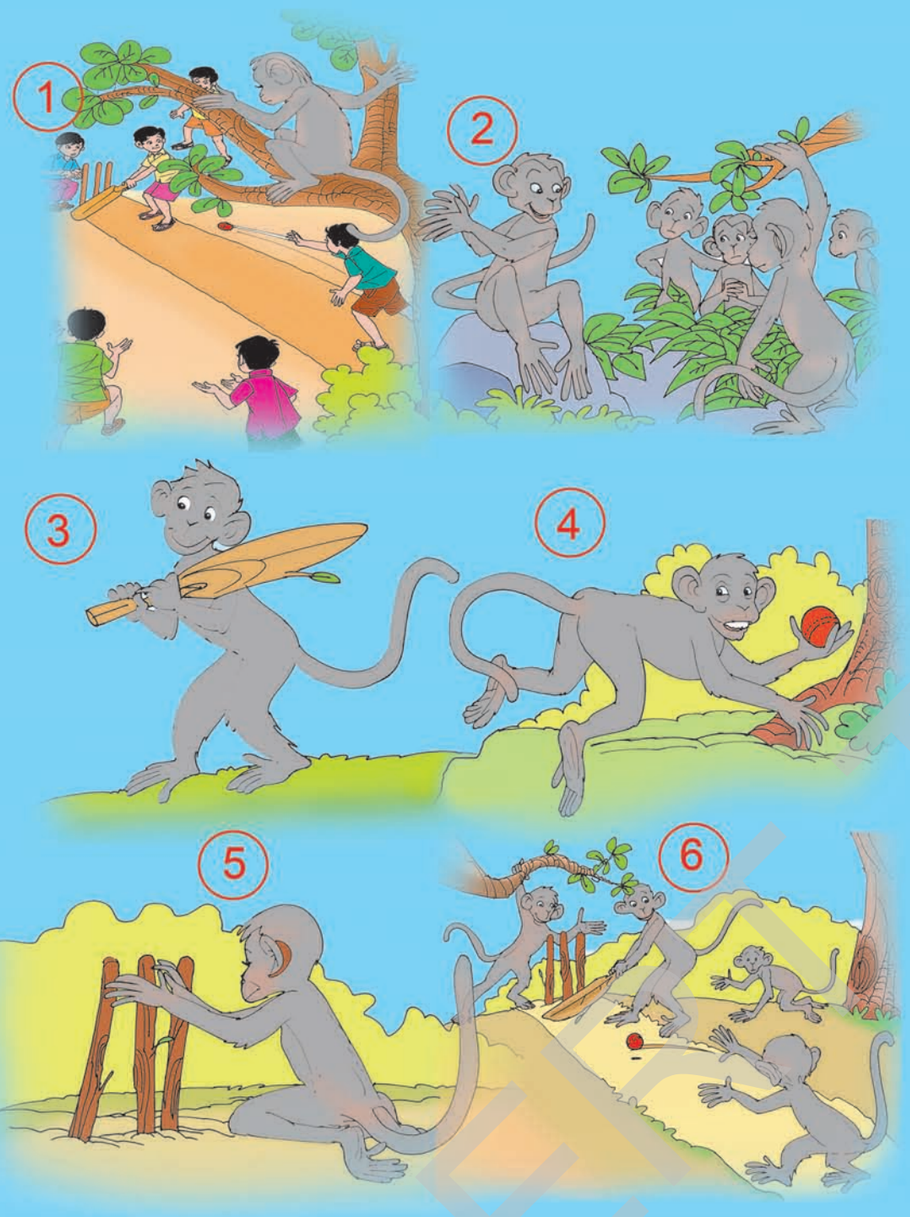

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके,

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मुसकान - 2

हिंदी पाठ्यपुस्तक

दूसरी कक्षा

Hindi Reader

Class II

संपादक

प्रो.टी.वी. कट्टीमनी

अध्यक्ष, हिंदी विभाग तथा डीन
समूह संवहन और पत्रकारिता विभाग, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. पेरिसेट्टि श्रीनिवास

सहायक निदेशक
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद

समन्वयक

श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी

प्राध्यापिका, गवर्नमेंट आइ.ए.एस.ई., नेल्लूर

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी

प्रोफेसर, पाठ्यक्रम-पाठ्यपुस्तक विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार

हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो
विनय से रहो

कानून का आदर करो
अधिकार प्राप्त करो

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana State, Hyderabad.

First Published 2011

New Impressions - 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the sub-sequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T.S. Government 2020-21

Printed in India
at Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

दो बातें...

भाषाविदों ने अपने शोधों **द्वारा सिद्ध** किया है कि सभी बच्चों में भाषा सीखने की क्षमता जन्मजात होती है। अपने परिसर में अर्थपूर्ण संदर्भों में भाग लेने के **द्वारा** अपनी क्षमताओं का उपयोग करते हुए सभी बच्चे अत्यंत सहज ढंग और सरलता से भाषा को अपना बना रहे हैं। कोई भी भाषा अत्यंत जटिल नियम और तौर-तरीके युक्त होती है। पाठशाला आने से पूर्व ही बच्चे भाषा आसानी से ग्रहण कर संदर्भानुसार उपयोग करते हैं। हमें यह सोचना चाहिए कि पाठशाला में प्रवेश लेने से पहले ही भाषा-विनिमय में दक्षता रखने वाले बच्चे, पाठशाला में भर्ती होने के बाद भाषा-अधिगम में क्यों पिछड़ रहे हैं?

अपेक्षित ढंग से सभी बच्चे भाषा में विकास हासिल करें, इसके लिए अध्यापकों को अर्थपूर्ण संदर्भ प्रदान कर संदर्भोचित भाषा सीखने योग्य बनाना चाहिए। उसके साथ ही सभी बच्चों को भाग लेने के लिए भयमुक्त और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करना चाहिए।विभिन्न प्रकार के संदर्भ, भाषा व्यवहार रूप आधारित प्रक्रियाओं का आयोजन करना चाहिए।इसके लिए जरूरी अंशों को पाठ्यपुस्तकों में स्थान देना चाहिए।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-**2005**, आर.टी.ई.-**2009** ने भी इन बातों को प्रस्तावित किया है। इनके आधार पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की अगुवाई में **1, 2** कक्षाओं के नवीन हिंदी पुस्तकों को अभ्यास-पुस्तिकाओं के रूप में तैयार किया गया है। इन पुस्तकों को पद **पद्धति**, आकर्षणीय चित्रों आदि के **द्वारा** रुचि एवं विचारों को जागृत करने जैसे ढंग तथा अर्थपूर्ण क्रियाकलापों से तैयार किया गया है।हर पाठ एक संदर्भयुक्त चित्र से प्रारंभ होता है।इसका अनुसरण करते हुए एक अभिनय गीत/कहानी/गाना/संवाद होता है।बच्चे स्वतंत्र बात कर सके इसके लिए, शब्द-अक्षर पहचानकर पढ़ने और लिखने के लिए उपयुक्त अभ्यास हैं।गीत की पंक्तियों को बढ़ाना, चित्र बनाना, रंग भरना, भाषा खेल, शब्द भंडार विकास, सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए भी क्रियाकलाप हैं। इन्हें उचित सामग्री व योजनाबद्ध तरीके से आयोजित करना आवश्यक है। विविध पृष्ठभूमि के बच्चों को स्वतंत्र रूप से बात करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, हिंदी भाषा पर पकड़ बनाने का भी प्रयास करना है।

नवीन दिशा की ओर पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने के क्रम में यह पहला कदम है। पाठ्यपुस्तक उपयोग के बारे में अध्यापकों के लिए सूचनाएँ भी जोड़ी गयी हैं। इनका पालन करना चाहिए। सभी बच्चों को सुनने, सोचकर बात करने, धारा-प्रवाह से पढ़ने, अर्थ समझकर स्वयं के शब्दों में कहने, शब्द भंडार का संदर्भानुसार उपयोग करने, स्वरचना, सृजनात्मक अभिव्यक्ति करने जैसी भाषाई क्षमताओं को हासिल करने योग्य बनाना चाहिए। इसके लिए पाठ्यपुस्तक के साथ पाठशाला पुस्तकालय की पुस्तकें और अतिरिक्त पठन सामग्री का भी उपयोग करना चाहिए।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में शामिल अध्यापक, राज्य संसाधन समूह के सदस्य श्री सुवर्ण विनायक, मंडल संसाधक, रा.शै.अ.प्र.प. और आइ.ए.एस.ई. के प्राध्यापक, चित्रकार, संपादक वर्ग के प्रति हम कृतज्ञ हैं। उसी तरह इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में अपने अमूल्य सुझाव देने वाले राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, भाषाविद् डॉ.रमाकांत अग्निहोत्री, डॉ.हेच.के.दीवान, **विद्या** भवन सोसाइटी, उदयपुर और समय-समय पर सुझाव, सूचनाएँ देते हुए प्रोत्साहित करने वाले डॉ.मोहम्मद अली रफत, आइ.ए.एस., राज्य परियोजना निदेशक, राजीव **विद्या** मिशन को विशेष धन्यवाद ज्ञापन करते हैं।

श्रीमती शेषु कुमारी

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा राज्य, हैदराबाद

दिनांक : 31 - 3 - 2011
स्थान : हैदराबाद

SCERT TELANGANA

लेखक गण

श्रीमती जयश्री लोहारेकर

एस.ए.,हिंदी,जी.एच.एस. काचीगुड़ा,
साईनगर,सईदाबाद,हैदराबाद

श्रीमती जी. किरण

एस.ए.,हिंदी,
जी.एच.एस. फॉर डेफ,मलकपेट,हैदराबाद

श्री नन्दकुमार वैजवाड़े

एस.ए.,हिंदी,
धर्मवंत हाई स्कूल,याकुतपुरा,हैदराबाद

श्रीमती कविता

एल.पी.,हिंदी,
जी.एच.एस. आज़मपुरा-2,हैदराबाद

डॉ. राजीव कुमार सिंह

एल.पी.,हिंदी,
सी.यू.पी.एस. याडारम,मेड्चल,हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा

एल.पी.,हिंदी,
ज़ेड.पी.एच.एस. पसुमामुला,हयातनगर,रंगारेड्डी

चित्रांकन

कूरेल्ला श्रीनिवास

एस.ए.,तेलुगु,
ज़ेड.पी.एच.एस. पोचंपल्ली,नलगोंडा

बी. किशोर कुमार

एस.जी.टी.,
यू.पी.एस. अलवाला, अनुमल मंडल, नलगोंडा

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

प्रधान आयोजन अधिकारी

श्रीमती शेषु कुमारी

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा राज्य

प्रधान व्यापार प्रबंधक

श्री आर. जेसुपादम

निदेशक
सरकारी पाठ्यपुस्तक मुद्रणालय
तेलंगाणा राज्य

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

हिंदी (HINDI FL)

कक्षा - दो (Class - II)

बच्चे--

- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे- जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।
- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं।
- देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को/सुनायी जा रही सामग्री, जैसे-कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।
- भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे-एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने...।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।
- अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र, पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।
- चित्र में क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे- चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।
- प्रिंट(लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे - 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं?/'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?
- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काँटे), अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवेंनशनल राइटिंग) करते हैं।
- सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।
- भिति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- हिंदी की पाठ्य-पुस्तकें इस रूप में बनायी गयी हैं कि जिनसे बच्चे सुनने,सोचकर बोलने,धाराप्रवाह से पढ़ने,समझकर अपने शब्दों में कहने,भाव ग्रहण करने,स्वरचना ,सृजनात्मक अभिव्यक्ति जैसी दक्षताओं को प्राप्त कर सकें।
- प्रत्येक पाठ चित्र से जुड़े संदर्भ,गीत,कहानी,संवाद आदि से प्रारंभ होता है।
- प्रत्येक पाठ में पाठ्यांश के बाद सुनने,बोलने,पढ़ने और लिखने जैसे कौशलों को बढ़ाने के लिए अभ्यास दिये गये हैं।
- प्रत्येक पाठ में पाठ के अंतर्गत सुनने,बोलने,पढ़ने,लिखने जैसे कौशलों के पास विशेष चित्र संकेत (Logo) हैं।
- पाठ प्रारंभ करने से पूर्व चित्र के आधार पर बच्चों से बातचीत करवानी चाहिए।विचारोत्तेजक प्रश्न पूछने चाहिए।
- उसके बाद पाठ पढ़ाना है।अध्यापकों को चाहिए कि गीत बताने से पहले उसे श्यामपट या चार्ट पर लिख लें,पढ़कर सुनायें।बच्चों से कहलवाएँ।अभिनय के साथ गाने का अभ्यास करायें।
- गीत/कहानी/गाना... आदि सिखाते वाले मुख्य शब्दों को पहचानने के लिए बच्चों को कहना चाहिए।इसके अक्षरों को साफ बोलने,पढ़ने,लिखने जैसे अभ्यास करवाने चाहिए।
- पाठ के मुख्य शब्द के अक्षरों को वर्णमाला/मात्राओं के चार्ट में पहचान कराना चाहिए।
- सुनना,बोलना जैसे क्रियाकलाप पूरी तरह से कक्षा क्रियाकिलाप की तरह आयोजित करना चाहिए।सभी बच्चों को स्वतंत्रता से बात करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- पढ़ना-लिखना अभ्यासों को समूह क्रियाकलाप के रूप में आयोजित करना चाहिए।
- इनमें सिखाने के लिए आवश्यक वर्णमाला,बारहखड़ी,मात्रा,शब्द भंडार की तालिकाएँ जैसी सामग्री पहले से ही तैयार रखनी चाहिए।इन्हें शिक्षण अभ्यसन प्रक्रिया में उपयोग में लाना चाहिए।
- पढ़ना-लिखना अभ्यासों से संबंधित सूचनाओं के बारे में बच्चों को समझाना चाहिए।देखना है कि उन्हें बच्चे व्यक्तिगत रूप में लिख सकें।
- हिंदी पाठ्य-पुस्तक के साथ अनिवार्य रूप से लिखने की कॉपी होनी चाहिए।प्रतिदिन बच्चों से शब्द लिखवाना चाहिए।श्रुतलेख देना चाहिए।
- पाठ्य-पुस्तक पद पद्धति में होने के कारण दृश्यों से जुड़े शब्दों के पाठ हैं।इसलिए वर्णमाला,बारहखड़ी या मात्राओं का क्रम से परिचय नहीं किया गया है।संदर्भानुसार अर्थपूर्ण प्रक्रिया द्वारा परिचय करवाया गया है।फिर भी अंत में इनके क्रम का परिचय कराया गया है।
- पाठ्य-पुस्तक द्वारा जहाँ तक हो सके वहाँ तक अधिक शब्दों का परिचय कराने के बजाय दैनिक जीवन में उपयोग में लाये जाने वाले शब्दों के आधार पर पढ़ने,लिखने के लिए अभ्यास दिये गये हैं।ज्ञात शब्दों से संबंधित अक्षरों से नवीन शब्द भंडार का निर्माण व उपयोग करने जैसे अभ्यास दिये गये हैं।
- इस रूप में पाठ्य-पुस्तकों की रचना की गयी है कि पहली कक्षा की समाप्ति तक बच्चे सरल शब्द,बारहखड़ी पढ़-लिख सकें तो,दूसरी कक्षा में इनकी पुनरावृत्ति, द्वित्वाक्षर,संयुक्ताक्षर शब्द पढ़-लिख सकें।इनकी लक्ष्यप्राप्ति के लिए योजनाबद्ध ढंग से शिक्षण अधिगम प्रक्रियाएँ आयोजित करनी चाहिए।
- पाठशालाओं को वितरित बाल साहित्य,कथा वाचक,कहानियों के कार्ड जैसी अतिरिक्त पठन सामग्री का उपयोग करना चाहिए।
- हिंदी भाषा शिक्षण के लिए निर्धारित 90 मिनट के समय में पाठ्यपुस्तक आधारित अभ्यास कार्यों का आयोजन होना है।पुस्तकालय में पुस्तक पठन के लिए निर्धारित कालांश में बाल साहित्य,अतिरिक्त पठन सामग्री का अनिवार्य रूप से उपयोग करना है।
- पाठशाला के शुरुआती दिनों से ही पाठ्यपुस्तक के साथ बाल साहित्य का उपयोग करना चाहिए।
- बच्चों के अधिगम को पाठ्यपुस्तक तक ही सीमित न करते हुए,जहाँ तक हो सके वहाँ तक, अधिक पठन सामग्री, शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग करते हुए भाषाई कौशलों को हासिल करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

बच्चो!

इन सूचनाओं को ध्यान से पढ़िए।

पाठ

पाठ को सुनना है। समझ में न आने पर पूछना है। मालूम करना है।

सुनो-बोलो

आपको स्वतंत्रता से अपनी भाषा में बोलना है।

पढ़ो

पढ़ना है। समझना है। बोलना या लिखना है।

लिखो

देखकर लिखना है या अपनी ओर से लिखना है।

पढ़ो-आनंद लो

चित्र देखना है। कहानी की कल्पना करनी है। कहानी पढ़नी है। कहानी बोलनी है।

सोचो

सोचकर बोलना है।

SCERT TELANGANA

विषय-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	सीखना है	महीना	पृष्ठ
1.	तितली और कली	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जून	1
2.	सच्ची दोस्ती	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जून	7
3.	ऊँट चला	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जुलाई	12
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)		20
5.	सीखो	वर्णमाला-बारहखड़ी (पुनरावृत्ति)	जुलाई	30
6.	मैं भी	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर**		38
7.	घंटी कौन बाँधे	**द्वित्वाक्षर**		45
8.	कद्दूजी की बारात	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर**	अगस्त	52
9.	अंकों का व्यवहार	गिनती-**संयुक्ताक्षर**		58
10.	ग्वाला	**संयुक्ताक्षर** (पाईवाले अक्षर)	सितंबर	66
11.	उद्यान	**संयुक्ताक्षर** (बेपाईवाले अक्षर)		73
12.	रुक्की	**संयुक्ताक्षर** (क,फ)	अक्तूबर	80
13.	इंद्रधनुष	**संयुक्ताक्षर** (र)		88
14.	बिल्ली का हार	गिनती (**संयुक्ताक्षर**, **द्वित्वाक्षर**)	नवंबर	95
15.	बहादुर बच्चे रोते नहीं	**द्वित्वाक्षर** (पुनरावृत्ति)		102
16.	राष्ट्र धर्म	**संयुक्ताक्षर** ('र' पुनरावृत्ति)	दिसंबर	109
17.	पुल	संवाद पढ़ना-लिखना		114
18.	मैं कौन हूँ	**द्वित्वाक्षर-संयुक्ताक्षर** (पुनरावृत्ति)	जनवरी	122
19.	चूज़ा	चित्र कहानी बोलना-पढ़ना-लिखना		128
20.	असली मोती	सुवचन,पद्य पठन,भाव बताना	फरवरी	133
	पुनरावृत्ति		**फरवरी**	

SCERT TELANGANA